EAST POINT SCHOOL
CLASS-VIII
WEEKLY WORK PLAN-JULY- WEEK-1

ENGLISH

Unit 2 : Chapter 1 – A Day in the Country

VIDEO LINK: https://www.youtube.com/watch?v=o2u2QcpjUeQ

Outline of the Story

A day in the country is a story about two orphans who were playing when a threatening storm appeared which forced the residents to take refuge. Danilka, an eight years old boy, got his hand trapped in the tree. Luckily, Danilka's sister Fyokla, six years old girl went to the town for asking help. Terenty a cobbler, assured to provide assistance to her to rescue Danilka. After the storm passed, the three enjoyed the splendors of the country the rest of the afternoon. Danilka is fascinated by nature and its beauty.

Summary

'A day in the country' is written by Anton Chekhov. It pays homage to an unsung hero, a homeless cobbler whose name is Terenty. In the beginning of the story a beggar girl named Fyokla, who is 6 years old comes running through a village. The village is preparing for an approaching storm. She addresses everyone as "uncle". She is searching for some particular person. She finally finds Terenty in the kitchen-garden. He is a "tall old man with a thin, pock-marked face, very long legs, and bare feet, dressed in a woman's tattered jacket". He does not look like a hero. But Fyokla is searching desperately for someone to help in freeing her brother Danilka, whose hand is stuck in a tree. Terenty does not give importance to the approaching storm and talking reassuringly in fatherly tones he goes to free Fyokla's brother.The story tells us that Terenty "answers all questions, and there is no secret in nature which baffles him. He knows everything". The writer further adds that indeed "all the villagers, generally speaking, know as much as he does". But the difference is that Terenty is willing to share his knowledge and time with the two orphan children. The children love him for this reason.The two children retire to a deserted barn after spending the day with Terenty. And Terenty goes to the tavern. Chekhov further tells about Terenty's sincerity and love for the two orphan children. Terenty comes back later and puts bread under their heads making the sign of the cross while they are asleep. In this way Terenty tries to make the lives of Fyokla and Danilka a little better than his own.

Complete the statement.

1. **Why was Fyokla looking for Terenty_____**
2. **Why was Terenty respected?**

Q3 What was the effect of change of weather on the following-

Q4 What happened to Danilka? What caused the accident? How did Terenty help him?

Q5 What had Terenty learnt about the ants and the bees?

Q6 Danilka looks at Terenty and greedily drinks in every word.

a. What is Danilka's mood here?
b. Where were they?
c. What was Terenty telling him?

Q7 Describe the change in Fyokla's mood in the story.
Q8 The story reflects Terenty's love for the children. Give three reasons to prove this.

HINDI

PLEASE WATCH THIS VIDEOS

https://www.youtube.com/watch?v=km7fwyvpcwM

https://www.youtube.com/watch?v=XnpgtknCE8s

भगवान के डाकिए

लेखक – रामधारी सिंह दिनकर
जन्म – 13 सितम्बर 1908
मृत्यु – 24 अप्रैल 1974
स्थान – सिमरिया घाट बेगूसराय जिला, बिहार, भारत

भगवान के डाकिए पाठ प्रवेश

इस कविता के द्वारा कवि कहते हैं कि भगवान बादलो के द्वारा पेड़ – पौधों, पहाड़ो के लिए सन्देश भेजते हैं। बादलो द्वारा बरसाया जल उनके लिए सुखद सन्देश लाता है। कवि पूरे विश्व को एक मानते हैं क्योंकि प्रकृति ने दो देशो में फर्क नहीं समझा। वे कहते हैं एक देश से दूसरे देश को जाती सुगंध को कोई बाँध नहीं सकता है। इस कविता की भाषा तत्सम, तदभव शब्दों से युक्त सरल भाषा है।

भगवान बादलों के द्वारा पेड़-पौधों, पहाड़ों के लिए सन्देश भेजते हैं। हमारे जो प्रकृति है वो किसी तरह से भेदभाव नहीं करती एक देश से दूसरे देश बादल अपने पानी लेकर जाते हैं और न जाने कहाँ पर जाकर बरसाते हैं इसी तरह से पेड़-पौधों की सुंगध, हवा, और पहाड़ों के सन्देश एक दूसरे तक पहुँचते हैं। जब एक देश के बाद दूसरे पर बादल जाकर बरसते हैं तो इससे यही साबित होता है कि वो वहाँ का सन्देश लेकर आऐ हैं। वास्तम में पूरी दुनिया ही एक है ईश्वर ने उसे बनाया है। हमें उसमें भेदभाव नहीं करना चाहिए क्योंकि प्रकृति ने दो देशों में फर्क नहीं किया है उन्होंने कोई फंक नहीं समझा है फिर हम इंसान क्यों ऐसा करते हैं, हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। हमें किसी तरह के भेदभाव अपने दिलो-दिमाग में नहीं रखना चाहिए। मानवता और प्रेम की भावना को बढ़ावा देना चाहिए। यह सुन्दर कविता इसी भाव को लेकर लिखी गई है।

भगवान के डाकिए पाठ सार

इस कविता में "दिनकर" जी बताते है की पक्षी और बादल भगवान के डाकिए हैं जो एक विशाल देश का सन्देश लेकर दूसरे विशाल देश को जाते हैं। उनके लाये पत्र हम नहीं समझ पाते मगर पेड़-पौधे, जल और पहाड़ पढ़ लेते हैं। यहाँ कवि ने

बादलों को हवा में और पक्षियों को पंखो पर तैरते दिखाया है। वे कहते है की एक देश की सुगन्धित हवा दूसरे देश पक्षियों के पंखों द्वारा पहुँचती है। इसी प्रकार बादलों के द्वारा एक देश का भाप दूसरे देश में वर्षा बनकर गिरता है।

भगवान के डाकिए कविता की व्याख्या

पक्षी और बादल, ये भगवान के डाकिए हैं, जो एक महादेश से दूसरे महादेश को जाते हैं। हम तो समझ नहीं पाते हैं मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ पेड़, पौधे, पानी और पहाड बाँचते हैं।

डाकिए: सन्देश देने वाला

महादेश: विशाल देश

चिट्ठियाँ: पत्र

बाँचते: पढ़ना

पक्षी, बादल, हवा इन्हें कोई भी बाँधकर नहीं रख सकता और यह एक महादेश से दूसरे महादेश ऐसे ही एक जगह से दूसरे जगह आते जाते रहते हैं और एक तरह से वहाँ का सन्देश लेकर आते हैं।

हम तो उनकी भाषा को नहीं समझ सकते क्योंकि एक देश से दूसरे देश में बहती हुई हवा सिर्फ महसूस की जा सकती है हम उनके द्वारा लाये गए सन्देशों को समझ नहीं पाते हैं। उनके द्वारा लाए गए यह जो पत्र है पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ सब अपने-अपने तरीके से कहकर सुनाते है जैसे एक देश का पानी दारिया बनकर बहता है तो दूसरे देश तक भी पहुँचता है ऐसी ही ऊँचे-ऊँचे पहाड़ जो प्रकृति हैं उन्हें अगर हम देखे दूर से ही नजर आते हैं ऐसा लगता है जैसे झाँक रहे हैं एक देश से दूसरे देश की ओर। इसी तरह से पेड़, पौधे, जब फूलों से भर जाते हैं उनमें एक नई महक पैदा हो जाती है वो भी बिना किसी बंधन के आजादी से बहती है और अपनी खुशबु फैलाती है।

प्रसंग – प्रस्तुत पद्यांश हमारी हिंदी की पाठय पुस्तक “वसंत-3” में से संकलित “रामधारी सिंह दिनकर” कृत रचित कविता “भगवान के डाकिए” से ली गयी है। इस कविता में कवि पक्षियों और बादलो को भगवान का डाकिया मानते हैं।

व्याख्या – कवि कहते हैं कि आकाश में उड़ते पक्षी और बादल भगवान का सन्देश लेकर आये हुए उसके डाकिए हैं। जो एक देश से दूसरे देश को उड़ते रहते हैं। इन डाकियों का सन्देश हम समझ नहीं पाते। किन्तु जिसके लिए हैं वे समझ जाते हैं। भगवान् बादलों के द्वारा जो सन्देश भेजते हैं उन्हें पेड़-पौधे, पहाड़ और जल अच्छी तरह से पढ़ पाते हैं क्योंकि ये उनके लिए होते हैं।

हम तो केवल यह आँकत हैं कि एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है।
और वह सौरभ हवा में तैरते हुए पक्षियों की पाँखों पर तिरता है।
और एक देश का भाप दूसरे देश में पानी बनकर गिरता है।

केवल: सिर्फ

आँकत: अनुमान

धरती: पृथ्वी

सुगंध: खुशबू

सौरभ: खुशबू

पाँखों: पँख

तिरता: तैरता

भाप: वाष्प

कवि कहते हम तो सिर्फ एक अंदाजा ही लगा सकते हैं कि एक देश की धरती, दूसरे देश को खुशबु भेजती है। हम तो सिर्फ इतना ही अंदाजा लगा सकते हैं जब हवा बहती है पक्षी एक देश से दूसरे देश जाते हैं और बादल बरसते हैं इस धरती पर हम तो सिर्फ यह अंदाजा ही लगा सकते हैं कि एक देश की धरती दूसरे देश को अपनी सुगंध अर्थात् खुशबु भेज रही है। और यही हवा के द्वारा खुशबु चारों ओर फैल जाती है कुछ पक्षी अपने साथ लेकर चले जाते हैं, कुछ हवा के साथ ईधर-ऊधर बह निकल जाती है। कवि ने कितने ही सुन्दर कल्पना की है और यह सच्चाई भी है जो हमारे प्रकृति में विद्यमान है जोकि ईश्वर की हमें बहुत बड़ी देन है कि बादल, हवा, पेड़, पक्षी एक जगह से दूसरी जगह अपने सन्देश को लेकर जाते हैं और वही इस सन्देश को समझ पाते हैं। हम इस चीज़ का अंदाजा नहीं लगा सकते। हम तो सिर्फ महसूस कर सकते हैं।

यह तो हम सभी जानते हैं, विज्ञान के विषय में भी पढ़ते है कि जब हमारा तापमान अधिक हो जाता है, तो पानी वाष्प बनकर अर्थात् भाप बनकर ऊपर की ओर उठता है, आसमान में जाता है, वहाँ पर तापमान कम होने के कारण बादलों में समा जाता है वाष्प-कण बन जाते हैं और जब बादल एक जगह से दूसरे जगह जाते है तो वर्षा बनकर बह निकलते है और एक सुन्दर वातावरण में अपनी खुशबु छोडते है। यह एक देश का पानी वाष्प के रूप में दूसरे देश में वर्षा बनकर जो बिखरता है, बरसता है, यह बहुत ही अनोखा दृश्य है। इसे ही कवि ने कहा है कि एक जगह की जो खुशबु है जो पानी है दूसरे देश में जाकर बरसता है और हमारा सन्देश वहाँ पर पहुँचाता है।

प्रसंग – प्रस्तुत पद्यांश हमारी हिंदी की पाठय पुस्तक “वसंत-3” में से संकलित “रामधारी सिंह दिनकर” कृत रचित कविता “भगवान के डाकिए” से ली गयी है। इस काव्यांश में कवि पूरे विश्व को एक मानते हैं।

व्याख्या – कवि कहते हैं कि हम मनुष्य देश को उसकी सीमाओं से जानते हैं किन्तु प्रकृति किसी सीमा को नहीं जानती। वह अपना वरदान सबको देती है। सुगंध किसी बंधन को नहीं मानते हुए एक देश से दूसरे देश उड़ती जाती है। वही महक पक्षियों के पंखो पर बैठकर इधर से उधर उड़ती रहती है और एक देश से उठी भाप दूसरे देश में वर्षा बनकर बरसती रहती है।

भगवान के डाकिए प्रश्न अभ्यास (महत्वपूर्ण प्रश्न उत्तर)

प्र°1 कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों बताया है? स्पष्ट कीजिए। (2)

प्र°2 पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन-कौन पढ़ पाते हैं? सोचकर लिखिए।(2)

प्र°3 इन पंक्तियों का क्या भाव है- (3)

क. पक्षी और बादल प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश एक

देश से दूसरे देश को भेजते हैं।

ख. प्रकृति देश-देश में भेदभाव नहीं करती। एक देश से उठा

बादल दूसरे देश में बरस जाता है।

प्र°4 पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़े-पौधे, पानी और पहाड़ क्या पढ़ पाते हैं? (3)

प्र°5 “एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है”- कथन का भाव स्पष्ट कीजिए। (3)

गतिविधि

प्र°6. आज विश्व में कहीं भी संवाद भेजने और पाने का एक बड़ा साधन इंटरनेट है। पक्षी और बादल की चिट्ठियों की तुलना इंटरनेट से करते हुए दस पंक्तियाँ लिखिए|

प्र°7 ‘हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका’ क्या है? इस विषय पर दस वाक्य लिखिए।

गतिविधि उद्देश्य:-

- कल्पना का चित्रण करने की क्षमता का विकास |
- लेखन कौशल का विकास |

MCQ

1. भगवान के डाकिए’ के रचयिता कौन हैं?
   (i) रामदरश मिश्र
   (ii) हरिशंकर परसाई
   (iii) भगवती चरण वर्मा
   (iv) रामधारी सिंह ‘दिनकर’
2. इनके संदेश को कौन पढ़ सकते हैं?
   (a) संसार में रहने वाले सभी लोग
   (b) सभी बुद्धिमान व्यक्ति
   (c) सभी जीव जंतु
   (d) पेड़, पौधे, सरोवर-सरिताएँ, समुद्र व पर्वत यानी प्रकृति

3. भगवान के डाकिए इस संसार को क्या संदेश देना चाहते हैं?
   (a) आपसी प्रेम का
   (b) विश्वबंधुत्व का
   (c) भेद-भाव न करने का
   (d) निरंतर आगे बढ़ने का
4. एक देश की धरती द्वारा भेजा गया सौरभ दूसरे देश की धरती तक कैसे पहुँचता है?
   (a) हवा से
   (b) फूल से
   (c) धूल से
   (d) सुगंध
5. 'भगवान के डाकिए' द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन नहीं पढ़ सकता है?
   (a) इंसान
   (b) पेड़-पौधे
   (c) पानी
   (d) पहाड़

प्र°2 नीचे दिये गये काव्यांश को पढकर प्रश्नो के उतर दीजिये :

पक्षी और बादल,
ये भगवान के डाकिए हैं,
जो एक महादेश से
दूसरे महादेश को जाते हैं।
हम तो समझ नहीं पाते हैं
मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ
पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ बाँचते हैं।

1. कवि और कविता का नाम लिखिए।

2. भगवान के डाकिए किसे कहा गया है?

3. कवि ने डाकिए किन्हें और क्यों कहा है ?

4. पक्षी व बादलों के संदेश, कौन पढ़ने में सक्षम होते हैं?

5. इनकी लाई चिट्ठियाँ हमें क्या संदेश देती हैं ?

प्र°3 नीचे दिये गये काव्यांश को पढकर प्रश्नो के उतर दीजिये :

हम तो केवल यह आँकते हैं
कि एक देश की धरती
दूसरे देश को सुगंध भेजती है।
और वह सौरभ हवा में तैरते हुए
पक्षियों की पाँखों पर तिरता है।
और एक देश का भाप
दूसरे देश में पानी
बनकर गिरता है।

1. कवि और कविता का नाम लिखिए।
2. सौरभ कहाँ-कहाँ जाता है?
3. पृथ्वी द्वारा किए गए कार्य का प्रचार प्रसार कैसे होता है?
4. इस काव्यांश में हमें क्या शिक्षा मिलती है?
5. सौरभ तथा 'पाँख' शब्दों के अर्थ स्पष्ट करें।

MATHS

Revision of Chapter 1 and 12

Rational numbers

- Definition: A number is called Rational number if it can be expressed in the form p/q where p and q are integers (q > 0). Example **:**1/2, 4/3, 5/7, -2, 4, 0 etc
- Additive Inverse:The additive inverse of a rational number is the same number with opposite sign.

In general, for a rational number a/b the additive inverse is –a/b.

0 is the additive identity for Rational numbers.

- Multiplicative inverse: A rational number a/b is called the reciprocal or multiplicative inverse of c/d if a/b x c/d =1.
  One is the multiplicative identity for rational numbers.

- Rational numbers are closed under the operations of addition, subtraction and multiplication.
- The operations addition and multiplication are
  (i) commutative for rational numbers.
  (ii) associative for rational numbers.

- Distributivity of rational numbers: For all rational numbers a, b and c

a(b + c) = ab + ac and a(b – c) = ab – ac

- Rational numbers can be represented on a number line.
- Between any two given rational numbers there are countless rational numbers.

Q-1) What is the Multiplicative identity for rational numbers?
Q-2) What is the Additive identity for rational numbers?
Q-3) Write the additive inverse of (i) -4/5 (ii) -6/-5 (iii) 25/-16.
Q-4) Write the multiplicative inverse (i) -5 (ii) 3/5 (iii) 6
(iv) -5/8 x -3/7.
Q-5) Multiply 6/13 by the reciprocal of -7/16.
Q-6) The numbers _____ and _____ are their own reciprocals.
Q-7) Verify commutative property of multiplication for the following:

$x = \frac{-5}{12}$ and $y = \frac{11}{13}$

Q-8) Solve using distributive property $\left(\frac{9}{16} \times \frac{4}{12}\right) + \left(\frac{9}{16} \times \frac{-3}{9}\right)$

Q-9) Represent the following rational numbers on number line :
1/3, -8/5, 11/6, -7/3
Q-10) Insert 10 rational numbers between -1/4 and -2/5.

Chapter - 12 Exponents and Powers

Laws of Exponents:

1) $a^{-m} = \frac{1}{a^m}$
2) $a^m \times a^n = a^{m+n}$
3) $a^m \div a^n = a^{m-n}$

4) $(a^m)^n = a^{mn}$
5) $a^m \times b^m = (a \times b)^m$
6) $a^m \div b^m = (a \div b)^m$
7) $a^0 = 1$

Q-1) Find the value of:

i) 5^{-2} ii) $\frac{1}{4^{-4}}$

Q-2) Simplify: $\{(\frac{1}{3})^{-2} - \left(\frac{1}{2}\right)^{-3}\} \div (\frac{1}{4})^{-2}$

Q-3) Simplify:

(i) $(5^{-1} \times 2^{-1})^2$

(ii) $(2^{-1} \div 4^{-1})^3$

Q-4) Find the value of x for which $5^{2x} \div 5^{-3} = 5^5$

Q-5) Simplify: $\frac{25 \times t^{-4}}{5^{-3} \times 10 \times t^{-8}}$

Q-6) Express the following numbers in standard form:

(i) 543000000000000

(ii) 0.000000023

Q-7) Write the following numbers in the usual form:

(i) 4.34×10^5

(ii) 3.14×10^{-7}

SCIENCE

CHAPTER – FORCE AND PRESSURE

Pressure

Pressure is the force acting on a unit area on an object.

Pressure = Force/Area

In this equation, force is the numerator and area is the denominator. This means that pressure is directly proportional to the applied force but inversely proportional to the area on which it is acting.

Following examples illustrate this effect:

- It is easier to push a nail into a wooden door through its pointed end than through its blunt end, because small area of the pointed end helps in creating more pressure and it becomes easier to insert the nail.
- Shoulder straps of your school bag are wide. A larger area helps in reducing the pressure on the shoulder; and makes it less painful to carry the bag.
- Camel's feet are wide; making for larger area. Due to this, a camel can easily walk on sand.
- Eskimos wear ski-like footwear. Wider area of the footwear reduces pressure and thus prevents the Eskimo's feet from sinking in ice.

Pressure Exerted by Liquids and Gases

Liquids and gases exert pressure as follows:

- Pressure on the bottom of container depends on the height of column of gas or liquid. Due to this, divers have to withstand a large pressure at the bottom of the sea.
- A fluid exerts pressure on walls of the container. Containers for gases and liquids are usually cylindrical ion shape to equally distribute the pressure on all portions of the wall.
- A fluid exerts equal pressure at same depth.

Atmospheric Pressure: The pressure exerted by atmospheric air is called atmospheric pressure. The weight of air in a column of height of atmosphere and area 10 x 10 cm is 1000 kg. This is roughly same as the area of our head. Can you believe that you have 1000 kg of air on your head?

2.

ACTIVITY-1. To show that liquid exerts equal pressure in all the direction.(At equal depth)

Material required- Plastic Bottle ,water.one piercing needle.
Procedure- *Make three holes in bottle at same height.
*Fill the bottle with water
Observation –Water is coming equally from all the sides.

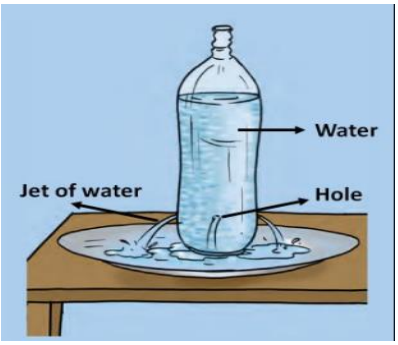

Result- liquid exerts equal pressure in all the direction

ACTIVITY -2

Aim-To show that liquid exerts different pressure at the different depth.
Material required- Plastic Bottlel,water.one piercing needle.
Procedure- *Make three holes in bottle at different height.
*Fill the bottle with water
Observation –Water is coming equally from all the sides.

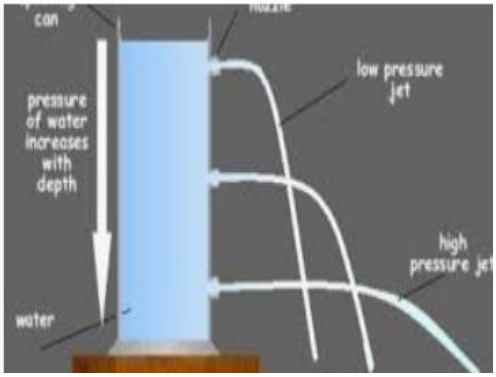

Result- that liquid exerts different pressure at the different depth.

	Formulas to remember
1.	Force- Any push or pull is known as force. Force= mass*acceleration F= m*a SI unit of force is Newton (N) Or 1Newton= 1 kg*1 m/s^2
2.	Define I newton – If I kg mass is accelerated with 1 m/s^2acceleration then force is said to be 1 newton.
3,	Force is a vector quantity ,it needs magnitude as well as direction If force is 5 N-then 5 is magnitude.

4.	If 5 kg object is accelerated with $10m/s^2$.find applied force.
5	Balanced force- if equal force is applied on object from opposite directions ,then it is said balanced force.
6.	Unbalanced force- if unequal force is applied on object from opposite directsions ,then it is said unbalanced force.
7.	Force is of two types 1. Contact force-example (a) friction force (b) muscular force 2. NON-contact force- example (a) gravitational force (b) electrostatic force (c) magnetic force.
8.	Pressure-Force per unit area is known as pressure. PRESSURE=FORCE/AREA 1 PASCAL= 1 NEWTON/1 METER^2
9.	Define 1 pascal - if 1 newton force is applied on 1 m^2 area the pressure is said to be 1 pascal.
10.	If 40 newton force is applied on 10 m^2area the find pressure. Solution- PRESSURE=FORCE/AREA = 40/10 = 4N/m^2
11.	If 40 newton force is applied on 20 m^2area the find pressure. Solution- PRESSURE=FORCE/AREA = 40/20 = 2N/m^2
12.	In above cases we find that for the same force if area is increased then pressure decreases. CONCLUSION- For same force if area is increased , pressure decreases or area is decreased then pressure increases .
13.	Why do we use sharp knife ?
14.	How is camel able to move in desert ?
15.	Why the tip of nail is pointed?

SOCIAL STUDIES

VIDEO LINK: https://www.youtube.com/watch?v=PKv0dXiRuYI

Activity: Draw flow chart on land revenue system or the three settlements along with their main points that was introduced by the British East India Company(BEIC)

Chapter 3 – Ruling the Countryside

The Company Become the Diwan

The East India Company became the Diwan of Bengal, on 12 August 1765. As Diwan, the Company became the chief financial administrator of the territory under its control. The Company needed to administer the land and organise its revenue resources. It needed to be done in a way that could yield enough revenue to meet the growing expenses of the company.

Revenue for the Company

The Company's aim was to increase the revenue to buy fine cotton and silk cloth as cheaply as possible. Within a span of five years, the value of goods bought by the Company in Bengal doubled. The Company, before 1865, purchased goods in India by importing gold and silver from Britain. Now it was financed by the revenue collected in Bengal. Artisanal production was in decline, and agricultural cultivation showed signs of collapse. Then in 1770, a terrible famine killed ten million people in Bengal.

ASSIGNMENT(WORKSHEET)

1)**Match the following:**

Ryot	**Village**
Mahal	**Peasant**
Nij	**Cultivation on ryot's lands**
Ryoti	**Cultivation on planter's own land**

2. Fill in the blanks:

(a) Growers of woad in Europe saw _____ as a crop which would provide co)mpetition to their earnings.

(b) The demand for indigo increased in late eighteenth-century Britain because of _____.

(c) The international demand for indigo was affected by the discovery of _____.

(d) The Champaran movement was against _____.

SANSKRIT

सदैव पुरतो निधेहि चरणम्

2. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत –
(निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एकपद में लिखो)

(क) स्वकीयं साधनं किं भवति?
उत्तराणि:
बलम्।

(ख) पथि के विषमाः प्रखराः?
उत्तराणि:
पाषाणाः।

(ग) सततं किं करणीयम्?
उत्तराणि:
ध्येयस्मरणम्।

(घ) एतस्य गीतस्य रचयिता कः?
उत्तराणि:
श्रीधरभास्कर वर्णेकरः।

(ङ) सः कीदृशः कविः मन्यते?
उत्तराणि:
राष्ट्रवादी।

3. मञ्जूषातः क्रियापदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत
(मञ्जूषा से क्रियापदों का चयन करके रिक्तस्थानों की पूर्ति करो)

मञ्जूषा- निधेहि विधेहि जहीहि देहि भज चल कुरु

यथा-त्वं पुरतः चरणं निधेहि।

(क) त्वं विद्यालयं …… |
उत्तराणि:
त्वं विद्यालयं चल।

(ख) राष्ट्रे अनुरक्तिं …… |
उत्तराणि:
राष्ट्रे अनुरक्ति विधेहि।

(ग) मह्यं जलं …… |
उत्तराणि:
मह्यं जलं देहि।

(घ) मूढ ! …… धनागमतृष्णाम्।
उत्तराणि:
मूढ ! जहीहि धनागमतृष्णाम् ।

(ङ) …… गोविन्दम्।
उत्तराणि:
भज गोविन्दम्।

(च) सततं ध्येयस्मरणं…… |
उत्तराणि:
सततं ध्येयस्मरणं कुरु।

प्रश्न वाक्यरचनया अर्थभेदं स्पष्टीकुरुत
(वाक्य रचना के द्वारा अर्थ भेद स्पष्ट करो)

परितः – पुरतः
नगः – नागः

आरोहणम् – अवरोहणम्

विषमाः – समाः

उत्तराणि:

(क) परितः (चारों ओर) – ग्रामं परितः जलम् अस्ति।

पुरतः (सामने) – विद्यालयस्य पुरतः उद्यानम् अस्ति।

(ख) नगः (पर्वत) – हिमालयः महान् नगः अस्ति।

नागः (सर्प) – अत्र एकः नागः तिष्ठति।

(ग) आरोहणम् (चढ़ना) – पर्वतारोहणं दुष्करम् अस्ति।

अवरोहणम् (उतरना) – पर्वताद् अवरोहणं सुकरम् अस्ति।

(घ) विषमाः (असमान) – मार्गे विषमाः पाषाणाः तिष्ठन्ति/सन्ति।

समाः (समान) – राजमार्गाः प्रायः समाः भवन्ति।

5. मञ्जूषातः अव्ययपदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत

(मञ्जूषा से अव्यय पदों का चयन करके रिक्तस्थानों को पूरा करो)

मञ्जूषा- एव खलु तथा परितः पुरतः सदा विना

(क) विद्यालयस्य …… एकम् उद्यानम् अस्ति।

उत्तराणि:

विद्यालयस्य पुरतः एकम् उद्यानम् अस्ति।

(ख) सत्यम् …… जयते।

उत्तराणि:

सत्यम् एव जयते।

(ग) किं भवान् स्नानं कृतवान् ……

उत्तराणि:

किं भवान् स्नानं कृतवान् खलु?

(घ) सः यथा चिन्तयति ..... आचरति।
उत्तराणि:
सः यथा चिन्तयति तथा आचरति ।

(ङ) ग्रामं ..... वृक्षाः सन्ति।
उत्तराणि:
ग्रामं परितः वृक्षाः सन्ति ।

(च) विद्यां ... जीवनं वृथा।
उत्तराणि:
विद्यां विना जीवनं वृथा।

(छ)..... भगवन्तं भज।
उत्तराणि:
सदा भगवन्तं भज।

6. विलोमपदानि योजयत
(विलोम पदों का मिलान करो)

पुरतः – विरक्तिः
स्वकीयम् – आगमनम्
भीतिः – पृष्ठतः
अनुरक्तिः – परकीयम्
गमनम् – साहसः
उत्तराणि:
शब्दः – विलोमशब्दः
पुरतः – पृष्ठतः।
स्वकीयम् – परकीयम्।
भीतिः – साहसः।
अनुरक्तिः – विरक्तिः ।
गमनम् – आगमनम्।

(आ) अधोलिखितानि पदानि निर्देशानुसारं परिवर्तयत
(निम्नलिखित पदों में निर्देशानुसार परिवर्तन करो)

यथा- गिरिशिखर (सप्तमी-एकवचने) – गिरिशिखरे
पथिन् – (सप्तमी-एकवचने) – .....
राष्ट्र (चतुर्थी-एकवचने) – .....
पाषाण (सप्तमी-एकवचने) – .....
यान (द्वितीया-बहुवचने) – .....
शक्ति (प्रथमा-एकवचने) – .....
पशु (सप्तमी-बहुवचने) – .....
उत्तराणि:
(क) पथि/पथिनि
(ख) राष्ट्राय
(घ) यानानि
(ङ) शक्तिः
(ग) पाषाणे
(च) पशुषु।

अधोलिखितानां शब्दानां वाक्येषु प्रयोगं कुरुत –

पथि, परितः, घोरः
उत्तराणि:
(i) पथि = मार्गे।
पथि एकः सर्पः तिष्ठति।

(ii) परितः = सर्वतः।
ग्रामं परितः जलं वर्तते।

(iii) घोरः = भयानकः।
वने घोरः व्याघ्रः वसति।

अधोलिखितानां शब्दानां समक्षं दत्तैः अर्थैः सह मेलनं कुरुत –

शब्दाः – अर्थाः

(i) पथि – अवश्यम्

(ii) घोरः – पर्वतः

(iii) प्रखरः – भयम्

(iv) भीतिः – मार्गे

(v) ननु – तीक्ष्णः

उत्तराणि:

(i) पथि – मार्गे

(ii) घोरः – भयङ्करः

(iii) प्रखरः – तीक्ष्णः

(iv) भीतिः – भयम्

(v) ननु – अवश्यम्- पित्राणाम्